जीवनी आलेख

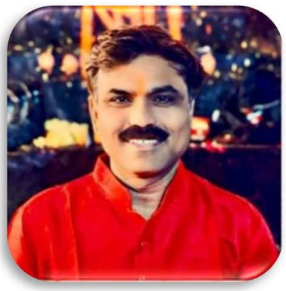

श्री किशोर मकवाणा

माननीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ,भारत सरकार

5 वां तल लोक नायक भवन खान मार्केट नई दिल्ली 110003

दूरभाष संख्या : 011-24606802, 24620435

- **किशोर मकवाणा एक जानकारीपूर्ण और समाज जीवन और उसकी समस्याओं के गहन अध्ययनकर्ता हैं। उन्होंने समाज में न्याय, समानता और समरसता के मुद्दों पर कई मोर्चों पर काम किया है, विशेषकर जन-हित की गतिविधियों, समाज जागरुकता, प्रकाशन और यात्रा के माध्यम से विचारों को व्यवहारिक रूप देने और इस दिशा में प्रेरणा देने के क्षेत्र में काम किया है। यह उनके जीवन का मंत्र रहा है।**
- **शिक्षा: एम.ए मनोविज्ञान ।**
- **व्यवसाय: लेखन, पुस्तक प्रकाशन |**

सामाजिक सेवा

- **दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स- सहमंत्री |**
- **संस्थापक: नमस्कार रिसर्च एंड पॉलिसी सेंटर।**
- **जिनकी आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर हो, ऐसी 10 दलित लड़कियों को उनकी पढ़ाई के लिए आर्थिक व्यवस्था मुहैया करवाई गई है।**
- **सांत्वन विकलांग विकास ट्रस्ट में ट्रस्टी । इस ट्रस्ट द्वारा मानसिक रूप से 100 प्रतिशत दिव्यांग बेटियों को रखा जाता है। यहाँ वर्तमान में 42 बेटियाँ निवास करती हैं। यहाँ किसी भी प्रकार के भेदभाव के बिना समाज की हर जाति की बेटियाँ अपना घर मानकर निवास कर रही हैं।**
- **युवाओं को मदद करने के लिए हमेशा तैयार .... जिसमें करियर और शैक्षणिक रूप से मदद**
- **पढ़ना चाहने वाले गरीब दलित विद्यार्थियों को फीस की व्यवस्था करके दी गई है।**

- सामाजिक समानता और समरसता के लिए प्रतिबद्धता दिखाई दलित समाज में वैचारिक जागृति हो इसके लिए अब तक इस विषय पर अनेक व्याख्यान दिए गए हैं। इसके अलावा समाज, युवा, शैक्षणिक, करियर और साहित्यिक सेमिनार और अध्ययन वर्गों का आयोजन किया गया है।
- पूज्य दत्तोपंत ठेंगड़ी की उपस्थिति में गुजरात में 'सामाजिक समरसता मंच' की स्थापना हुई तब से इसमें सक्रिय
- समग्र राज्य और देश में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर विषय पर वक्ता के रूप में जनसमारोहों में प्रवचन दिए गए।
- संस्थापक: मिशन भीम वेबसाइट | इस वेबसाइट के माध्यम से डॉ. अम्बेडकर के लेखन और विचारों का प्रचार-प्रसार
- गुजरात सरकार की गुजराती फिल्म पुरस्कार समिति में जूरी सदस्य ।
- पूर्व सदस्य, केंद्रीय गृह मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति
- उनाकाण्ड के समय उन्होंने यथाशीघ्र ऊना पहुंचकर पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए तथा गुजरात की भाजपा सरकार द्वारा पीड़ितों को दिए गए चेकों के वितरण में भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के रीजनल आउटरीच ब्यूरो से मुलाकात की और सरकार के सकारात्मक कार्यों को लेकर लगातार 1 माह तक 50 से अधिक गांवों में प्रचार-प्रसार का कार्य किया।
- जब भी सामाजिक विद्वेष की कोई घटना हो तो यथाशीघ्र समस्या तक पहुंचने और उसका निदान करने का प्रयास करें। अब तक ऐसी कई घटनाओं के बाद प्रत्यक्ष उपस्थिति पिछले दो वर्षों में 35 से अधिक ऐसे समारोहों में भाग लिया ।
- पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजयभाई रुपानी की उपस्थिति में संवेदना समाज द्वारा गुजरात भर में अनुसूचित जाति के सभी सामाजिक- शैक्षिक संस्थानों का एक सम्मेलन। इसमें सामाजिक-शैक्षणिक-आर्थिक उत्थान और समस्याओं पर मंथन हुआ। गरीब इलाकों में पुस्तकालय स्थापित करने का प्रयास... अब तक 15,000 से अधिक पुस्तकें दान ।
- समन्वय - आरक्षित आरक्षण समिति: जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण प्रणाली में परिवर्तित मुसलमानों और ईसाइयों को शामिल करने की मांग की, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रेरित होकर भाजपा और अन्य राष्ट्रीय संगठनों ने इसके तत्वावधान में एक राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया। रिजर्व आरक्षण समिति। जब यह पूरी हो गई, तो उन्हें गुजरात के क्षेत्रीय समन्वयक की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस समिति ने पूरे प्रांत में जन जागरुकता बैठकें और यात्राएँ शुरू कीं।
- पूरे गुजरात में हर साल एक बार दलित लेखकों, पत्रकारों और सरकार में उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों की प्रबुद्ध बैठकें आयोजित की जाती रही हैं।

- भारत सरकारक के प्रसारण मंत्रालय के रीजिनल आउटरीच ब्यूरो के द्वारा आयोजित विविध कार्यक्रमों में केंद्र सरकार की विविध 300 से ज्यादा योजनाओ के बारे में मुख्य वक्ता के तौर पर जा कर गांव के लोगो को जोड़ा एवं उनको योजना के लाभ लेने के लिए मदद की।

शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत

- ढोलका विधाप्रचार मंडल के सदस्य (जो ढोलका में पुरुष और महिला छात्रों के लिए दो अलग-अलग प्राथमिक - माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालय चलाता है)
- डॉ। बाबासाहेब अम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय के तीन बार बोर्ड सदस्य (पूर्व) ।
- सेप्ट, जीटीयू, दिल्ली विश्वविद्यालय, एम. एस. विश्वविद्यालय, जेएनयू, केंद्रीय विश्वविद्यालय (गांधीनगर), एम. के. भावनगर विश्वविद्यालय, गुजरात विश्वविद्यालय, एस.पी. विश्वविद्यालय (विधानगर) जैसी कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालय, शिक्षण संस्थानों और विभिन्न सेमिनारों में विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिए हैं।
- संपादक: सरफरोशी पुस्तक श्रृंखला
- गुजराती साहित्य परिषद: आजीवन सदस्य
- महाराष्ट्रः 'नारायणमूर्ति की मुलाकात कक्षा 12 गुजराती विषय में पाठ्यक्रम में शामिल है।
- गुजरात: पाठ्य पुस्तक मंडल: कक्षा-12 के गुजराती पाठ्यक्रम में 'समता और बंधुता के पथ प्रदर्शक डॉ. आंबेडकर' पाठ शामिल है।

पुरस्कार

- नचिकेता पुरस्कार: तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के हाथों सामाजिक समरसता और भारतीय राष्ट्रवाद के लिए पत्रकारिता में 'नचिकेता पुरस्कार' |
- युवा साहित्य पुरस्कार: उत्तर प्रदेश के राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री के हाथों
- "युवा साहित्यकार पुरस्कार' से सम्मानित ।
- गुजरात गौरव पुरस्कार: 1 मई 2017- गुजरात स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री श्री विजयभाई रुपाणी के हाथों 'गौरव पुरस्कार'
- तथागत पुरस्कार: नेपाल-अंतरराष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन द्वारा 'तथागत पुरस्कार' डॉ. आंबेडकर साहित्य पुरस्कार : डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर प्रतिष्ठान- मुंबई, महाराष्ट्र द्वारा डॉ. आंबेडकर साहित्य पुरस्कार से सम्मानित
- दलित पत्रकार संगठन: 'अनुसूचित जाति जनजाति मीडिया ट्रस्ट' द्वारा सम्मानित
- मिशन विद्या द्वारा गांव दर गांव शैक्षिक स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों के लिए शिक्षा तकनीकी की विभिन्न व्यवस्थाएं की गई।
- विधा यज्ञ द्वारा मुफ्त पुस्तक पर्व की शुरुआत करके राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में ज्ञान सेतु का निरंतर पिछले दो वर्षों से सिंचन कर रहे हैं।

- आकाशवाणी के माध्यम से पिछले 15 वर्षों से विभिन्न विषयों पर विशेष वार्ता दे चुके हैं।
- गुजरात के 15,000 + से अधिक गांवों का दौटा किया और उनका गहन अध्ययन करके ग्रामीण क्षेत्रों की अनूठी कहानियां विभिन्न माध्यमों में प्रकाशित की हैं।
- मिशन भूम वेबसाइट द्वारा भारत के 1,00,000 से अधिक लोगों को पांच वर्षों में जोड़ा गया है। डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर के 500 से अधिक पुस्तकों का संग्रह करने वाली भारत की एकमात्र वेबसाइट का गौरव प्राप्त किया है।

पुस्तक प्रकाशित

- किशोर मकवाणा मूल्यनिष्ठ जीवन की महिमा करने वालों में से एक हैं, इसलिए एक ओर समाज जीवन के महापुरुषों का अध्ययन और दूसरी ओर उन महापुरुषों के बारे में अध्ययनपूर्ण पुस्तकों का प्रकाशन उनके जीवन कर्तव्य का एक भाग रहा है।
- अब तक उन्होंने 40 से अधिक पुस्तकें लिखी हैं, जिनमें मुख्य रूप से: 'सामाजिक क्रांति के महानायक डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, 'डॉ. आंबेडकर का विचार वैभव', 'महापुरुष डॉ. आंबेडकर', 'राष्ट्रपुरुष डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, जीवन वर्षण', 'राष्ट्र वर्षण' पूर्व 'आयाम वर्णन (विदेशों में प्रकाशित), अंग्रेजी में डॉ. आंबेडकर पर – 'BHARAT FIRST Dr. Babasaheb Ambedkar's Contribution to Nation Building','युगपुरुष स्वामी विवेकानंद', 'राष्ट्रीय घटनाचक्र', 'संत रविदास', 'सफलता का मंत्र', 'समर नहीं समरसता', क्रांतिवीर बिरसा मुंडा, युग प्रवर्तक शिवाजी महाराज', 'कॉमन मैन नरेंद्र मोदी' (इस पुस्तक का देश की कई भाषाओं में अनुवाद हुआ है और इस पर आधारित Eros Now पर वेब सीरीज बनी), 'अजातशत्रु राजपुरुषः अटल बिहारी वाजपेयी, 'भारत का विभाजन की भीतरी कहानी', 'स्वामी विवेकानंद और युवा भारत', 'राष्ट्र ऋषि पंडित दीनदयाल उपाध्याय', 'नरेंद्र मोदी के साथ एक मुलाकात, सूर्य नमस्कार: एक सर्वांग सुंदर व्यायाम, महर्षि रमण, स्वाभिमान के तीर्थस्थान और यात्रा".
- अनुवादित: विभाजन की त्रासदी', 'में, मनु और संघ', 'शिव संगे संवाद' (कैलास मानसरोवर यात्रा), "श्री गुरुजी संपूर्ण खंड: जी 'संपादन : सामाजिक समरसता (नरेंद्र मोदी के लेखों एवं भाषणों का संपादन), 'शतायु वंदना के' का संपादन। का. शास्त्री", "डॉ. अम्बेडकर विखंडदर्शन", | "आरक्षण का सत्य और मिथ्या", "सामाजिक समरसता की ढाल के रूप में हिंदू समाज की रक्षा", "सद्भाव के शिल्पी बालासाहेब देवरस", "श्री मां तू हृदय वसनारी", "अपाना नरेंद्रभाई' (हिंदी, गुजराती).
- रचनात्मकता: बुद्ध दर्शन डायरी, चिंतन कनिका: नरेंद्र मोदी डायरी
- यात्रा : अटल बिहारी वाजपेई की ऐतिहासिक लाहौर बस यात्रा के दौरान एक पत्रकार के रूप में प्रधानमंत्री के साथ लाहौर की यात्रा की।